कक्षा-10

हमारी अर्थव्यवस्था

भाग-2

निदेशक (माध्यमिक शिक्षा), शिक्षा विभाग, बिहार सरकार द्वारा स्वीकृत।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार पटना के सौजन्य से सम्पूर्ण बिहार राज्य के निमित्त।

© बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड

प्रथम संस्करण : 2010 - 11
पुनर्मुद्रण : 2013-14
पुनर्मुद्रण : 2014-15
पुनर्मुद्रण : 2015-16
पुनर्मुद्रण : 2017-18
पुनर्मुद्रण : 2018-19

मूल्य : रु० 31.00

बिहार स्टेट टेक्स्टबुक पब्लिशिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड, पाठ्य-पुस्तक भवन, बुद्ध मार्ग, पटना-800 001 द्वारा प्रकाशित तथा दी गाँधी इन्टरप्राईजेज, नया टोला, पटना-04 द्वारा 70 जी.एस.एम मैपलिथो वर्जिन पल्प टेक्स्ट पेपर एवं 130 जी. एस.एम पल्प बोर्ड व्हाईट वर्जिन आवरण पेपर पर कुल 1,00,000 प्रतियाँ 24 x 18 से.मी. साइज में मुद्रित।

प्राक्कथन

शिक्षा विभाग, बिहार सरकार के निर्णयानुसार अप्रैल-2009 से प्रथम चरण में राज्य के कक्षा IX हेतु नए पाठ्यक्रम लागू किया गया है। इसी क्रम में सत्र 2010 के लिए I,III,VI एवं X की सभी भाषायी एवं गैर-भाषायी पुस्तकों का पाठ्यक्रम लागू किया गया है। इस नए पाठ्यक्रम के आलोक में एन०सी०आर०टी०, नई दिल्ली द्वारा विकसित वर्ग X की गणित एवं विज्ञान तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना द्वारा विकसित I,III,VI तथा X की सभी पुस्तकें एवं शैक्षिक सत्र-2011 में वर्ग II.IV.VII तथा शैक्षिक सत्र-2012 में वर्ग V एवं VIII की सभी पुस्तकें बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा आवरण चित्रण कर मुद्रित की गई हैं।

बिहार राज्यमे विद्यालयीय शिक्षाक गुणवत्तापूर्ण शिक्षाक लेल माननीय मुख्यमंत्री, बिहार, श्री नीतीश कुमार, शिक्षा मंत्री श्री कृष्ण नन्दन प्रसाद वर्मा तथा शिक्षा विभागक प्रधान सचिव श्री आर. के. महाजन के मार्गदर्शनक प्रति हम हृदयसँ कृतज्ञ छी।

एन०सी०ई०आर०टी०, नई दिल्ली तथा एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना के निदेशक के हम आभारी हैं, जिन्होंने अपना सहयोग प्रदान किया।

बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षाविदों की टिप्पणियों एवं सुझावों का सदैव स्वागत करेगा, जिससे बिहार राज्य को देश के शिक्षा-जगत में उच्चतम स्थान दिलाने में हमारा प्रयास सहायक सिद्ध हो सके।

अरविन्द कुमार वर्मा, भा०प्र०से०
प्रबंध निदेशक
बिहार राज्य पाठ्य-पुस्तक प्रकाशन निगम लि०,पटना

दिशाबोध :

- श्री हसन वारिस : निदेशक (प्रभारी), राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना-800006
- **श्री रघुवंश कुमार** : निदेशक (शैक्षणिक), बिहार विद्यालय परीक्षा समिति (उच्च माध्यमिक प्रभाग) पटना
- **श्री अब्दुल मोइन** : विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
- **श्री रामतवक्या तिवारी**: विभागाध्यक्ष, मानविकी शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना
- **श्री कासिम खुर्शीद** : विभागाध्यक्ष, भाषा शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

पाठ्य-पुस्तक विकास समिति सदस्य

- **डा० विनय कुमार सिंह,** व्याख्याता, एस०एम०डी० कॉलेज, पुनपुन, पटना
- **डा० प्रवीण कुमार,** व्याख्याता, एस०यू० कॉलेज, हिलसा, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- **डा० अर्चना,** व्याख्याता, एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना
- **श्रीमति विभा कुमारी,** उच्चतर माध्यमिक शिक्षिका, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, राजेन्द्र नगर, पटना
- **सुश्री प्रीति कुमारी,** उच्चतर माध्यमिक शिक्षिका, बलदेव इंटर स्कूल, दानापुर, पटना
- **श्री ओम प्रकाश,** उच्चतर माध्यमिक शिक्षक, डी०डी० उच्च माध्यमिक विद्यालय, दानापुर, पटना
- **श्री आशीष कुमार,** माध्यमिक शिक्षक, राजकीयकृत उच्च विद्यालय, वीर ओइयारा, वीर पटना

समीक्षक :

- **डा० तारा शंकर प्रसाद सिंह,** पूर्व प्राचार्य, आर० डी० एस० कॉलेज, मुजफ्फरपुर
- **डा० उषा सिंह,** विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, अरविंद महिला महाविद्यालय, काजीपुर, पटना

अकादमिक सहयोग :

- **डा० घनश्याम नारायण सिंह,** भूतपूर्व, विश्वविद्यालय प्राध्यापक, मगध विश्वविद्यालय, बोधगया
- **इम्तियाज आलम,** व्याख्याता, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार, पटना

समन्वयक :

श्री अर्जुन ठाकुर, श्री नारायण आर्य एवं **डा० राजेन्द्र प्रसाद मंडल,** व्याख्याता, एस०सी०ई०आर०टी०, बिहार, पटना

आमुख

प्रस्तुत पुस्तक **''हमारी अर्थव्यवस्था भाग-2'' कक्षा-10** भारत सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986), राष्ट्रीय पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2005 तथा राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार द्वारा एन०सी०एफ०-2005 के सिद्धांत, दर्शन तथा शिक्षा शास्त्रीय दृष्टिकोण के आधार पर विशिष्ट रूप से ग्रामीण क्षेत्र को संदर्भ में रखते हुए बिहार पाठ्यचर्चा की रूपरेखा-2008 तथा तदनुरूप पाठ्यक्रम के आधार पर बिहार राज्य के शिक्षक समूह के साथ चरणबद्ध कार्यशाला समय-समय पर विषय विशेषज्ञ एवं शिक्षाविदों के साथ मिलकर निर्माण किया गया है । पाठ्यक्रम के उद्देश्य तथा प्रकरण यथा भोजन, पदार्थ, सजीवों का संसार, गतिमान वस्तुएँ, लोग एवं उनके विचार, वस्तुएँ कैसे कार्य करती है, प्राकृतिक परिघटनाएँ तथा प्राकृतिक संसाधन की मुख्य अवधारणाओं में दिए गए विषय-वस्तु पाठ्यपुस्तक के अध्यायों में परिलक्षित एवं समाविष्ट किया गया है । जिससे बच्चों के सर्वांगीण विकास अर्थात् शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक एवं अभ्यास क्षमताओं पर ध्यान दिया गया है । बच्चों में करे सीखने तथा खोजी भावना का विकास करने तथा आपस में मिल-जुलकर सीखने की प्रवृत्ति का विकास करके उनको जिम्मेवार नागरिक बनाया जाये, जिससे देश की धर्म निरपेक्षता, अखण्डता एवं समृद्धि के लिए कार्य करें तथा संविधान की प्रस्तावना की पूर्ति हो, ऐसा विद्यालयीय शिक्षा के क्रम में पाठ्यक्रम तथा पाठ्यपुस्तक में ध्यान रखा गया है । पाठ्यपुस्तक के सभी अध्याय रोचकपूर्ण है। पाठ्यपुस्तक में दिए गए विषय वस्तु विद्यार्थियों के दैनिक अनुभव पर आधारित हो, ऐसा प्रयास किया गया है । कुछ अध्यायों में कहानी के माध्यम से विज्ञान के रहस्यों का उद्‌भेदन करने का प्रयास किया गया है, जो अपने आप में नवाचार है । कहीं-कहीं ऐसे सदर्पित प्रश्न हैं, जिसे बच्चे वैज्ञानिक दृष्टिकोण को विकसित करते हुए सत्य के निकट जाने हेतु कौतुहलता एवं जिज्ञासा रहेगी ।

पाठ्यपुस्तक के माध्यम बच्चे तथा शिक्षक के बीच शिक्षण अधिगम प्रक्रिया बाल-केंद्रित तथा सीखना बिना बोझ के अर्थात् सुगम एवं आनन्ददायी शिक्षण हो, ऐसा प्रयास किया गया है, इसलिए पाठ्यपुस्तक के सभी अध्यायों के विषय वस्तु में जगह-जगह क्रियाकलाप अर्थात् गतिविधि तथा प्रयोग का वर्णन है। पुस्तक की अधिकांश क्रियाकलाप बिना किसी सामग्री या कम लागत की सामग्री के साथ करवाई जा सकती है। शिक्षण जितना गतिविधि आधारित होगा, बच्चों को सक्रिय बनाने वाला होगा तथा बच्चों को उतना अधिक आनन्द आएगा और वे उतनी ही

अच्छी तरह दक्षताओं को प्राप्त कर सकेंगे। इस कार्य में शिक्षक की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। प्रत्येक अध्याय के अंत में नये शब्द, प्रमुख शब्द, पर्याप्त प्रश्न तथा अधिकांश अध्याय में परियोजना कार्य भी दिये गये हैं जिससे की छात्र की उपलब्धियों की जाँच हो सके।

इस पाठ्यपुस्तक की पाण्डुलिपि तैयार करने के पूर्व राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, पटना द्वारा विभागीय पदाधिकारियों, विषय विशेषज्ञों, भाषा विशेषज्ञों एवं शिक्षकों की कार्यशाला आयोजित की गई। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, बिहार राज्य पाठ्यपुस्तक प्रकाशन निगम द्वारा विकसित पुस्तकों के साथ अनेक प्रकाशकों की पुस्तकें, संदर्भ सामग्री के रूप में पाठ्यपुस्तक को तैयार करने में उपयोगी साबित हुई । इस पाठ्यपुस्तक के निर्माण में श्री अंजनी कुमार सिंह, प्रधान सचिव, मानव संसाधन विकास विभाग, बिहार सरकार के निदेशानुसार, बिहार के मार्गदर्शन में पाण्डुलिपि तैयार की गयी।

इस पुस्तक के लेखन तथा विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए डॉ० विनय कुमार सिंह, अर्थशास्त्र विभाग, एस.एम.डी कॉलेज, पुनपुन; डॉ० प्रवीण कुमार; डॉ० अर्चना, व्याख्याता; श्रीमती विभा कुमारी, उच्चतर माध्यमिक शिक्षिका, सुश्री प्रीति कुमारी, उच्चतर माध्यमिक शिक्षिका; श्री ओम प्रकाश, उच्चतर माध्यमिक शिक्षक तथा श्री आशीष कुमार, माध्यमिक शिक्षक के प्रति हम विशेष आभार प्रकट करते हैं, साथ ही प्रो. घनश्याम नारायण सिंह के प्रति हम काफी आभारी हैं जिन्होंने अपने रचनात्मक सुझावों से हमें लाभान्वित किया।

इस पुस्तक के निर्माण में समन्वयक के रूप में श्री अर्जुन ठाकुर एवं श्री नारायण आर्य, व्याख्याता एस०सी०ई०आर०टी० की अहम् भूमिका रही है। श्री रामतवक्या तिवारी, विभागाध्यक्ष, डॉ० राजेन्द्र प्रसाद मंडल, व्याख्याता एवं श्री विजय कुमार आशुलिपिक ने पाण्डुलिपि के निर्माण में शिक्षकों से सहयोग सम्पर्क की भूमिका सराहनीय रही है।

आशा है यह पाठ्यपुस्तक बच्चों के लिए लाभदायक, आनन्ददायी एवं रुचिकर सिद्ध होगी। अल्प समय में निर्मित पुस्तक के लिए समालोचनाओं एवं सुझावों का परिषद् स्वागत करेगी । प्राप्त सुझावों के प्रति परिषद् सजग एवं संवेदनशील होकर अगले संस्करण में आवश्यक परिमार्जन के प्रति विशेष ध्यान देगी ।

निदेशक
राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्,
बिहार, पटना- 800006

विषय-सूची

इकाई	1.	अर्थव्यवस्था एवं इसके विकास का इतिहास	1 – 29
इकाई	2.	राज्य एवं राष्ट्र की आय	30 – 47
इकाई	3.	मुद्रा, बचत एवं साख	48 – 71
इकाई	4.	हमारी वित्तीय संस्थाएँ	72 – 98
इकाई	5.	रोजगार एवं सेवाएँ	99 – 118
इकाई	6.	वैश्वीकरण	119 – 147
इकाई	7.	उपभोक्ता जागरण एवं संरक्षण	148 – 168